## संपादकीय

# विश्वसनीय मतदाता सूची

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन एक मजबूत लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि उसकी चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और मतदाता सूची विश्वसनीय हो। पिछले दिनों बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान चलाया गया। जिसको लेकर विपक्ष ने कड़ा प्रतिवाद किया और अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती भी दी। बताते हैं कि अब भारतीय चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने की योजना बना रहा है। हाल ही में बिहार में चल रही इस प्रक्रिया से उपजे राजनीतिक प्रतिवाद को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि आसन्न चुनाव वाले राज्य बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया न्यायिक जांच के दायरे में हैं। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि यह सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का दायित्व है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार के मौलिक हक से वंचित न रहे । उल्लेखनीय है कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची इस महीने के अंत तक प्रकाशित होने वाली है। इसमें दो राय नहीं कि देश में पड़ोसी देशों के नागरिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ गाहे-बगाहे होती रही है। कुछ लोग बेहतर भविष्य की तलाश में गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुस आते हैं। फिर कतिपय वोट बैंक के ठेकेदारों, दलालों व भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से जाली कागजात बनवाकर वोट डालने के अधिकारी बन जाते हैं। निस्संदेह, यह गैर-कानूनी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए। ऐसे में दो राय नहीं हो सकती है कि मतदाता सूची में त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करने करने के लिये तथा अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। निस्संदेह, राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अपरिहार्य है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सरल होनी जरूरी है। जिसमें वास्तविक नागरिकों के हितों तथा चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा दिक्कत राजनीतिक दलों के मुखर विरोध की भी है। खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर क्रियान्वयन तो और ज्यादा मुश्किल होगा। हाल के वर्षों में देखा गया है कि सीमावर्ती राज्यों में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता विदेशी नागरिकों के जरूरी कागजात बनवाने में गुरेज नहीं करते। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त तीनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रतिरोध स्वाभाविक ही है। हाल में तमिलनाडु के द्रुमक मंत्री दुरई मुरुगन तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं कि बिहार में इस्तेमाल की गई 'चालें' तमिलनाडु में काम नहीं आने वाली हैं, क्योंकि उनके राज्य में लोग राजनीतिक रूप से ज्यादा जागरूक हैं। उनके राज्य में लोगों को भ्रमित नहीं किया जा सकता। यह भी हकीकत है कि चुनाव आयोग को विश्वास की कमी को पाटने के लिये सभी हितधारकों को एक साथ लाने

# अब एमएसएमई की मजबूती जरूरी

**भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। चूंकि एमएसएमई आर्थिकी के एक मजबूत इंजन की तरह काम कर रहे हैं, ऐसे में इस विकास को बनाए रखने के लिए एमएसएमई को लगातार सहयोग, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता दी जानी होगी। इन सबके साथ-साथ एमएसएमई क्षेत्र को भी ट्रंप टैरिफ की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी करनी होगी। भारत का टिकाऊ विकास तभी संभव है।**

इन दिनों प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में यह टिप्पणी की जा रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच देश की अर्थव्यवस्था को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक भारत को दुनिया का विकसित देश बनाने के लिए देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की विभिन्न चुनौतियों के समाधान और इसकी मजबूती के मद्देनजर नई रणनीति पर आगे बढ़ना जरूरी है। निस्संदेह इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि हाल ही में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में जिस तरह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरें कम की गई हैं और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाया गया है, उससे ट्रंप के टैरिफ की चुनौतियों का सामना कर रहे एमएसएमई को भारी लाभ होगा। एमएसएमई से जुड़े जीएसटी सुधार प्रमुख रूप से ऑटोमोबाइल, ड्रायफ्रूट्स उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी उत्पाद, परिधान, लॉजिस्टिक्स, हस्तशिल्प, आवास निर्माण उत्पाद क्षेत्रों की इकाइयों को भारी लाभ देंगे। एमएसएमई क्षेत्र में जीएसटी दरों को कम किए जाने की रणनीति आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने तथा विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार को बढ़ावा देगी। इससे खास तौर से वस्त्र, खिलौने, हस्तशिल्प, चमड़ा और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह बात महत्वपूर्ण है कि दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, ग्लास, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के एमएसएमई को लाभ होगा। ट्रैक्टरों पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी (1800 सीसी) करने से भारत की वैश्विक स्तर पर ट्रैक्टर विनिर्माण में अग्रणी बनने की स्थिति मजबूत होगी। साथ ही इससे संबद्ध एमएसएमई को प्रोत्साहन मिलेगा। वाणिज्यिक माल वाहनों (ट्रक, डिलीवरी वैन) पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिए जाने से माल ढुलाई, लॉजिस्टिक्स लागत, महंगाई का दबाव कम होने से एमएसएमई को लाभ होगा। ऐसे में निश्चित रूप से जीएसटी की नई स्लैब से आम आदमी, छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को राहत मिलेगी। चाहे आम आदमी के इस्तेमाल की चीजें हों, चाहे वे किसानों से जुड़ी वस्तुएं हों, चाहे वे मध्यम वर्ग से संबंधित वस्तुएं हों, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा का क्षेत्र हो, प्रत्येक क्षेत्र में एमएसएमई को दी गई बड़ी जीएसटी राहत अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार देंगी। यद्यपि अब जीएसटी दर घटने से एमएसएमई को कर राहत जरूर मिलेगी, लेकिन इसके अलावा एमएसएमई के समक्ष डिजिटल ढांचा, कुशल श्रमिक, बाजार पहुंच, फंडिंग की कमी, टेक्नोलॉजी, सप्लाई चेन, डेटा सुरक्षा और स्किल डेवलपमेंट की चुनौतियां खड़ी हुई हैं। आईटी सेक्टर से जुड़े स्टार्टअप्स के समक्ष व्यावहारिक मार्गदर्शन, एक्सेस और प्रारंभिक निवेश की




चुनौती है। खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्यमों में खराब तकनीक और कमजोर लॉजिस्टिक व्यवस्था के कारण गुणवत्ता में कमी की चुनौती है। ऊर्जा की अनियमित आपूर्ति और बड़ी कंपनियों से भुगतान में देरी एमएसएमई के विकास में बड़ी बाधा हैं। सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई क्षेत्र देश में उत्पादन, निर्यात और रोजगार में लगातार अपनी अहम भूमिका बढ़ाता जा रहा है। विगत 21 जुलाई को राज्यसभा में एमएसएमई मंत्री ने बताया कि देश में इस समय पंजीकृत 6.5 करोड़ एमएसएमई करीब 28 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं।

देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30.1 फीसदी है। देश के एमएसएमई विनिर्माण में 35.4 फीसदी और निर्यात में 45.73 फीसदी योगदान दे रहे हैं। निश्चित रूप से अब इस समय तेज विकास की रणनीति के तहत तेजी से आकार ले रहे भारत के एफटीए में जिस तरह एमएसएमई के हितों को अधिक महत्व दिया जा रहा है, उससे देश के एमएसएमई के लिए नई वैश्विक संभावनाएं भी उभर कर दिखाई दे रही हैं। निस्संदेह एमएसएमई के समक्ष ऊंचे टैरिफ से निर्मित चिंताओं को दूर करने हेतु मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की जो एक वृहद श्रृंखला प्रस्तुत की गई है, उसके क्रियान्वयन पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है। उद्योगों का विस्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए, एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर सुनिश्चित किया गया है। सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की डगर पर आगे बढ़ रही है। टैरिफ तूफान के बीच एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिया जाना होगा। अब एमएसएमई के बढ़ावा देने की नई योजना, कारोबार में सरलता, वैश्विक बाजार में सरल पहुंच, अनुपालन बोझ में कमी, जीएसटी दरों में सरलता पर ध्यान देना। एमएसएमई को सीधे मदद और प्रक्रियाओं के माध्यम से मदद, दोनों ही डगर पर आगे बढ़ना होगा जिससे उनके व्यापक ढांचे में लचीलापन मिल सकेगा और उनके अनुपालन लागत में भी कमी आएगी। सरकार के द्वारा एमएसएमई के कारोबार करने को आसान बनाने और घरेलू खपत को बढ़ाने के तरीकों पर नए सिरे से आगे बढ़ना होगा। नई सप्लाई चेन और नए बाजारों की तलाश की जान होगी। विदेशों में वेयरहाउसिंग की सुविधा और वैश्विक ब्रांडिंग पहल से भी निर्यात का बाजार बढ़ाना होगा। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराए जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किए जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जानी होगी। एमएसएमई के हित में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किए जाने से विशेष रूप से निर्यात-उन्मुख एमएसएमई लाभान्वित होंगे। नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। चूंकि एमएसएमई आर्थिकी के एक मजबूत इंजन की तरह काम कर रहे हैं, ऐसे में इस विकास को बनाए रखने के लिए एमएसएमई को लगातार सहयोग, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता दी जानी होगी। इन सबके साथ-साथ एमएसएमई क्षेत्र को भी ट्रंप टैरिफ की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी करनी होगी। भारत का टिकाऊ विकास तभी संभव है।

**-डा. जयंती लाल भंडारी**

## सूचना

**दैनिक सच एक्सप्रेस में प्रदेशभर के 42 जिला प्रतिनिधि व 200 से अधिक तहसील और विकासखण्ड प्रतिनिधि सेवाएं दे रहे हैं। लगभग यह सभी किसी अन्य न्यूज एजेंसी या सोशल मीडिया से भी जुड़े हुए हैं। अखबार के अलावा किसी अन्य प्लेटफार्म पर इनकी टिप्पणी या समाचार को दैनिक सच एक्सप्रेस से जोड़कर न देखा जाए।**

**प्रबंध सम्पादक**

## सच वाणी

**सभी आलेख लेखकों के अपने विचार हैं।**
**दैनिक सच एक्सप्रेस सभी विषयों पर तटस्थ था, है और रहेगा।**

# क्षमावाणी के संदेश को सार्वभौमिक मनाना हैः मुनिश्री प्रमाण सागर

**भोपाल।** वृहद क्षमावाणी महापर्व के पावन अवसर पर आज प्रातःकाल विद्याप्रमाण गुरुकुलम् में आध्यात्मिक उल्लास और श्रद्धा का अनुपम दृश्य देखने को मिला मुनिसंघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया राजधानी भोपाल में चातुर्मास कर रहे साधु एवं साध्वियों के एक साथ दर्शन करने तथा संतों का मिलन देखकर सभी उपस्थित श्रद्धालु आत्मविभोर हो गए। इस अवसर पर गुणायतन एवं भावना योग के प्रणेता मुनिश्री प्रमाणसागर महाराज ने आंतरिक,व्यवहारिक,आध्यात्मिक, और औपचारिक क्षमा पर उदबोधन पर अपने विचार प्रकट करते हुये कहा कि यदि परिवार की जिठानी दौरानी सास बहू या भाई-भाई ने कुछ बोल दिया तो उसे चुपचाप पचा लो तथा नजरअंदाज करो, यह आपकी आंतरिक क्षमा है,दूसरी ओर किसी ने यदि किसी ने गलत किया है,और उसे अपनी गलती का अहसास है,तो उसे क्षमा करने में कोई संकोच नहीं होंना चाहिए। यह आपकी व्यवहारिक क्षमा है इससे न तो वैर होगा न वैमनस्यता पनपेगी मुनिश्री ने आध्यात्मिकता की चोट करते हुए कहा कि क्षमावाणी का संदेश को सार्वभौमिक बनाना है,तो मन के विकार को निकालना आवश्यक है,अपने अपने मित्रों से क्षमा मांगली और हो गई क्षमावाणी यह तो औपचारिक क्षमा है जो कि सिर्फ रस्म अदायगी है,असली क्षमावाणी तो तब है जिससे तुम्हारी खटपट चल रही है वैर विरोध है उसके घर जाकर क्षमा मांगो तो वह आपकी असली क्षमावाणी कहलाऐगी उन्होंने आध्यात्मिक पहलू पर चर्चा करते हुये कहा कि अपने आपसे पूंछो में कौन हुं ? मेरा क्या हैं? जब यह चिंतन आप अपने आपसे करोगे तो सब कुछ छूट जाऐगा कोई आप पर उत्सर्ग करे तो आप उसे क्षमा करके उत्सर्ग कर दो भगवान पारसनाथ के ऊपर कमठ के जीव ने दस भव तक उपसर्ग किया पारसनाथ ने समता धारण कर उसे उत्सर्ग में बदल दिया उन्होंने संदेश दिया कि अपने व्रतों के प्रति अडिग रहो यह होती है आध्यात्मिक क्षमा। मुनिश्री ने कहा आप लोग तो जरा जरा सी बात पर तुनक जाते हो उसने मेरी छवि खराब कर दी तुम्हारी छवि है क्या? यह मन का अहंकार है इससे अपने आपको बाहर निकलों तभी तुम असली क्षमावाणी पर्व मना पाओंगे। मुनिश्री ने कहा कि सार्वजनिक रुप से क्षमावाणी पर्व इसलिये मनाया जाता है कि बच्चे-बच्चे जैन धर्म के असली स्वरुप और उसके महत्व को समझें क्षमावाणी के इस संदेश को सार्वभौमिक बनाकर लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने भोपाल की सभी मंदिर कमेटियों पंचायत कमेटियों से कहा कि यह तय कर लो कि



साल में यह त्योहार तो मिल-जुलकर अपने सभी मतभेदों को भुलाकर एक रुपता के साथ मनाऐंगे। इस अवसर पर उपाध्याय मुनिश्री विशोक सागर जी महाराज स संघ विराजमान थे उन्होंने कहा कि साधू तो प्रतिदिन तीन वार प्रतिक्रमण कर सभी जीवों से क्षमायाचना कर लेते है। इस अवसर पर मुनिश्री विनंदसागर महाराज स संघ विराजमान थे उन्होंने कहा कि सबसे पहले अपनी आत्मा से क्षमा मांगो इस अवसर पर मंचासीन गणनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी एवं गणनी आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी ससंघ विराजमान थी उन्होंने अपने संवोधन में कहा कि मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज ने गुरुकुल खोलकर जो कार्य किया वह बहूत ही प्रमाणित है, सभी की वाणी में क्षमाभाव आना चाहिये। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया प्रातःकाल विद्याप्रमाण गुरुकुलम् के छात्र अपने गणवेश में, गाजे-बाजे के साथ संतों की अगवानी करने पहुंचे सभी संतों ने एक दूसरे को नमोस्तु करते हुये अभिवादन किया एवं आर्यिका संघ ने मुनिचरणों में बैठकर नमोस्तु निवेदित किया विद्याप्रमाण गुरुकुलम् के पूरे परिसर में श्रद्धा, समर्पण और आत्मिक ऊर्जा की सुंदर झलक देखने को मिल रही थी इस अवसर पर मुनि श्री संधान सागर महाराज सहित समस्त मुनिगण एवं क्षुल्लक जी मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भावनायोग का प्रसिद्ध गीत मंगल मंगल होय जगत में,सबका मंगल होय कर हुआ। तत्पश्चात दि.जैन पंचायत कमेटी भोपाल के पदाधिकारी, विद्याप्रमाण गुरुकुलम् तथा चातुर्मास चक्रवर्ती,तथा सभी नवरत्न एवं श्री विद्यासागर प्रवंधकीय संस्थान के पदाधिकारियों ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीपप्रज्वलन किया। इस अवसर पर भोपाल हुजूर के विधायक रामेश्वर शर्मा एवं नगर निगम की महापौर श्रीमति मालती राय ने अपने सम्बोधन में मंचासीन मुनिराजों एवं आर्यिका संघ से तथा भोपाल की जैन समाज से क्षमायाचना की और कहा कि जिस दिन सारे भारत में गुरुकुल हो जाऐंगे तो नित्य महावीर के दर्शन मिलेंगे इस अवसर पर भोपाल नगर के 82 जिनालयों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने मुनि संघ के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया कार्यक्रम का संचालन अभय भैया आदित्य ने किया। इस अवसर पर गुरुकुलम् के महामंत्री अनुभव सराफ ने गुरुकुलम् की योजनाओं को क्रियान्वयन करने तथा क्षमावाणी पर्व पर पधारने के लिये सभी का आभार व्यक्त किया। पंचायत कमेटी के अध्यक्ष मनोज बांगा ने भोपाल जैन समाज सहित मंचासीन मुनिराजों एवं आर्यिका संघ से क्षमा याचना की कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भोपाल जैन समाज तथा मध्यप्रदेश के विभिन्न नगरो से आऐ हुये श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था।

## वर्ग पहेली 2622



# जो करता सज्जनों की संगत कभी न बिगड़ती उसकी रंगत!

**जीवन समाधान**



**महाराज वैभव भटेले**
(धर्म, अध्यात्म एवं राष्ट्रीयता के ओजस्वी वक्ता)
Mobile No. 9303139229

मानव समाज में दो तरह के लोग निवास करते हैं-- सज्जन और असज्जन देव और दानव। जो सत्यवादी न्यायप्रिय और चरित्रवान है वही सज्जन हैं। इसके विपरीत झूठे कपटी अन्यायी और दुष्चरित्र लोग ही असज्जन हैं। जिन्हें दानव भी कह सकते हैं। इनमें से हम जिनके भी साथ रहेंगे हममें भी ज्यादा नहीं तो कुछ गुण तो इनके जैसे आएंगे ही। इसीलिए तो कहा गया है जैसी संगत वैसी रंगत। जो करता सज्जनों की संगत, कभी न बिगड़ती उसकी रंगत! जीवन में हमेशा संगति को लेकर जरूर सावधान रहो। अपनी भी और अपनी संतति की भी। बच्चों का पूरा ख्याल रखो कहीं वे असज्जनों की संगत तो नहीं कर रहे। उनके साथ गलत राह पर तो नहीं जा रहे। संगत सदैव सज्जनों की ही करो अन्यथा अकेले ही रहो। हां, जीवन में सज्जनों का साथ मिल जाए को छोड़ना मत। उनसे मित्रता जरूर करना यह रामभक्त हनुमानजी ने सिखाया है। जब वे लंकानगरी में सीताजी की खोज को लेकर भ्रमण कर रहे थे तब तमाम राक्षसों के बीच एक घर ऐसा भी मिला जहां रामनाम की धुन सुनाई दे रही थी। हनुमानजी ठिठके और विचार करने लगे। उसी समय विभीषण जी ने रामनाम जब सुमिरन कीन्हा। हृदय हरष कपि सज्जन चीन्हा।। उन्होंने विभीषणजी से तुरंत मित्रता करने की ठान ली और विचारने लगे - इन्ह सन हठ करिहऊँ पहिचानी। साधु ते होई न कारज हानी।। अर्थात साधु संत और सज्जन पुरुषों से मित्रता करने में कभी नुकसान तो हो ही नहीं सकता लेकिन असज्जनों की संगत त्वरित लाभ भले ही दिला दे संपत्ति और सत्ताधिकार ही क्यों न दिला दे लेकिन एक समय ऐसा जरूर आ जाता है जब असज्जनों की संगत हमारे जीवन में कमाई गई सारी सम्पत्ति और सम्मान को विनष्ट कर देती है। इसलिए चाहे धन कमाओ या पद प्रतिष्ठा पाओ इसमें कभी असज्जनों का न तो सहयोग लो और न ही उनके मित्र बनकर उन्हें अपने नजदीक खड़ा करो। यह सबक श्रीहनुमान जी से सीखो। समाज में आज भी ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने ऊंची पद प्रतिष्ठा पाई है और उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली है। लेकिन गड़बड़ तब हुई जब असज्जनों के साथ उनकी संगत सामने आई। इससे उनकी मान प्रतिष्ठा पर आंच आई। इसलिए इन सब बातों से जीवन में सबक लीजिये और यह गांठ बांध लीजिये - तुलसी संगत साधु की हरे कोटि अपराध।

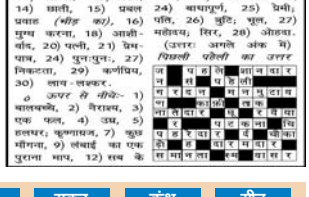

## दैनिक सचएक्सप्रेस पंचांग



**ज्योतिषाचार्य**
**श्रीमती सुषमा शंकरलाल पुरोहित**
मोः 8823008303

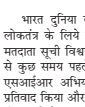

मंगलवार 16 सितंबर 2025

| | |
|---|---|
| सूर्योदय- | प्रातः 6:02 बजे |
| सूर्यास्त- | शाम 6:15 बजे |
| चंद्रोदय | 12:47 |
| चंद्रास्त - | 3:02 |
| शक संवत् - | 1947 विश्वावसु |
| विक्रम संवत - | 2082 कालयुक्त |
| पूर्णिमांत महीना- | आश्विन |
| पक्ष - | कृष्ण |
| तिथि - | दशमी रात्रि 2:28 तक पश्चात् एकादशी |
| नक्षत्र- | आर्द्रा सुबह 10:14 तक पश्चात् पुनर्वसु |
| योग - | वरीयान देर रात्रि 12:37 तक पश्चात परिघ |
| करण - | वणिज दिन 12:57 तक पश्चात् विष्टि |
| सूर्य राशि - | सिंह |
| चंद्र राशि - | मिथुन |

शुभांक 1-3-5

**मेष**
किसी रिश्तेदारी में आना जाना हो सकता है। भाई बहनों से सहयोग प्राप्त हो सकता है। शिवजी को अबीर मिश्रित जल चढ़ाएं। शुभ अंक-5 , शुभ रंग - हरा।

**वृष**
विद्यार्थियों के लिए शुभ दिन। माता पिता से भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यक्रम घर में होने की संभावना।शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक-2 , शुभ रंग- भूरा।

**मिथुन**
विवाह योग्य जातकों को अच्छे प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। बड़े - बुजुर्गो से सलाह अवश्य लें। पुराने मित्रों से सहयोग। शिवजी को हरी दुर्वा अर्पित करें। शुभ अंक-4 , शुभ रंग- भुरा।

**कर्क**
पेट-पाचन तंत्र संबंधी समस्या बन सकती है। खान पान का विशेष ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों में आपसी तालमेल उत्तम। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ अंक-1 , शुभ रंग- स्लेटी।

**सिंह**
नौकरी की में लगे जातकों को आज अच्छे आफर प्राप्त हो सकते हैं। अतः सजग रहे। बड़े भाई से सहयोग प्राप्त हो सकता है। शिवजी को लाल फूल अर्पित करें। शुभ अंक-2 , शुभ रंग- लाल।

**कन्या**
घर का वातावरण अनुकूल और धार्मिक। परिवार में यात्रा के योग सम्भव। व्यापारी बंधु आज लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शिवजी को बिल्वपत्र अर्पित करें। शुभ अंक-4 , शुभ रंग- नीला।

**तुला**
प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े जातक अपने कार्य क्षेत्र में आपसी राजनीति का शिकार हो सकते हैं। अतः सजग रहे। कोई नया कार्य आज शुरू न करें। शिवजी को फल अर्पित करें। शुभ अंक-3 , शुभ रंग- लाल।

**वृश्चिक**
परिवार में शुभता। पर थोड़ी मानसिक चिंता बनी रहेगी। किसी विश्वसनीय के साथ मन की बात सांझा करें। शिवजी को लाल गुलाल अर्पित करें। शुभ अंक-8 , शुभ रंग- पीला।

**धनु**
किसी पर भरोसा ज्यादा न करें। मन विचलित हो सकता है। वाणी संयमित रखें। शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 1 , शुभ रंग- गुलाबी।

**मकर**
पुरानी कोई समस्या चली आ रही है तो आज समाधान प्राप्त हो सकता है। जिससे मन खुश होगा। व्यापारी बंधु को लाभ प्राप्त योग। शिवजी को काला तिल अर्पित करें। शुभ अंक-6 , शुभ रंग- केसरी।

**कुंभ**
परिवार के सदस्यों से थोड़ी बहस सम्भव। अपनी वाणी पर संयम आवश्यक। मन विचलित हो सकता है। शिवजी को तिल मिश्रित जल अर्पित अर्पित करें। शुभ रंग-1 , शुभ रंग- आसमानी।

**मीन**
विवाह योग्य जातकों को मामा पक्ष से अच्छे प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों में अच्छा तालमेल।शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक-1, शुभ रंग- केसरी।

**ग्रह स्थिति**
सूर्य- कर्क राशि में, ता. 17 की अपराह्न 4:27 से सिंह राशि में। मंगल- कन्या राशि में। बुध- कर्क राशि में वक्री , ता. 11 की रात्रि 9:08 से मार्गी , ता . 30 की शाम 5:40 से सिंह राशि में। गुरु- मिथुन राशि में। शुक्र- मिथुन राशि में ,ता . 20 की रात्रि 2:30 से कर्क राशि में। शनि-मीन राशि में वक्री। राहु- कुंभ राशि में। केतु-सिंह राशि में।

**दिशा शूल**
उत्तर दिशा में यात्रा वर्जित है। अतिआवश्यक होने पर गुड़ का सेवन कर घर से निकलें।

**चौघड़िया**
चर सुबह 9:00 से 10:30 तक
लाभ सुबह 10:30 से 12:00 तक
अमृत दिन 12:00-1:30 तक
शुभ दोपहरहाहाहाहाहाहाहाहा 3:00

**अभिजीत मुहूर्त**
सुबह 11:45 से दिन 12:25
सुबह 11:45 से दिन 12:25 तक

**सर्वार्थ सिद्धि**
ता. 4 को सूर्योदय से सुबह 8:35 तक। ता.8 को दोपहर 3:01से ता. 9 दिन 3:26 तक। ता. 12 को दिन 2:01 से रात्रि अंत तक। ता. 14 को सूर्योदय से ता. 15 की सुबह 9:49 तक। ता. 18 को सूर्योदय से रात्रि 3:31 तक। ता. 21 को सूर्योदय से रात्रि 1:03 तक।

त्रिपुष्कर योग - ता.30 को सूर्योदय से दिन 1:11 तक।

द्विपुष्कर योग - ता. 10 को दिन 12:39 से दिन 3:23 तक।

**रवि योग**
ता.2 की सुबह 6:03 से ता.3 की प्रातः 4:37 तक। ता. 3 की दोपहर 3:12 से ता. 4 की प्रातः 5:24 तक। ता. 7 के दिन 2:06 से ता. 8 की सुबह 6:05 तक। ता. 13 की सुबह 8:42 से ता. 15 की सुबह 6:12 तक। ता. 17 की देर रात्रि 3:36 से ता.20 की सुबह 6:16।ता. 23 की रात्रि 8:55 से ता. 24 की देर रात्रि 3:54 तक।ता. 26 की देर रात्रि 3:54 से ता. 29 की सुबह 6:08 तक।
अमृत सिद्धि योगः ता. 18 को सूर्योदय से रात्रि 3:31 तक। ता . 21 को सूर्योदय से रात्रि 1:03 तक।

पुष्य नक्षत्र- ता. 20 को रात्रि 1.31 से ता. 21 की रात्रि 1.03 तक।